Indian Institute Of Technology Mandi

2009-2010

वार्षिक प्रतिवेदन

ANNUAL REPORT

01 April 2009 - 31 March 2010

01 अप्रैल 2009 – 31 मार्च 2010

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी

Indian Institute Of Technology Mandi

वार्षिक प्रतिवेदन

2009 - 2010

01 अप्रैल 2009 — 31 मार्च 2010

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी

हिन्दी तथा अंग्रेजी में किसी भी संशय
की स्थिति में अंग्रेजी संस्करण को
प्रमाणिक माना जाए।

कुलाध्यक्ष

परमश्रेष्ठ श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल

भारत की राष्ट्रपति

आई आई टी काउंसिल अध्यक्ष

माननीय श्री कपिल सिब्बल

मानव संसाधन विकास मंत्री

भारत सरकार

अध्यक्ष, नियंत्रक बोर्ड

पद्मश्री एम. नटराजन (04.03.2010 से)

श्री अशोक भटनागर (03.03.2010 तक)

निदेशक

प्रो. टिमोथी गॉनसाल्वेस (15.01.2010 से)

प्रो. एस.सी. सक्सेना (14.01.2010 तक)

कुलसचिव

ले. कर्नल (सेवानिवृत्त) ए.के. श्रीवास्तव

विषय सूची

वार्षिक प्रतिवेदन : एक झांकी 1–2
निदेशक का प्रतिवेदन 3–6
फोटोग्राफ

1. संगठन तथा प्रशासन 7–10

1.1 नियंत्रक बोर्ड....7
1.2 वित्त समिति....8
1.3 भवन एवं कार्य समिति....9
1.4 प्रशासन....9
1.5 शैक्षिक स्कूल तथा अन्य एकक....10

2. शैक्षिक एवं शिक्षणेत्तर स्टॉफ 11

2.1 नई नियुक्तियाँ....11
2.2 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ी जाति श्रेणियों के अन्तर्गत नियुक्तियाँ....11
2.3 शिक्षणेत्तर अधिकारी/स्टॉफ की नई नियुक्तियाँ....11

3. शैक्षिक कार्यक्रम 12

4. शैक्षिक स्कूल एवं अन्य एकक 13

5. संस्थान लेखा 14

5.1 तुलन पत्र का सार....14
5.2 आय एवं व्यय का विवरण....15

6. छात्र सुविधायें तथा क्रिया–कलाप 16

परिशिष्ट 17

A_1 परीक्षा परिणाम का विवरण (2009–10)....17
A_2 छात्रों को छात्रवृत्तियां तथा वित्तीय अनुदान....17

वार्षिक प्रतिवेदन : एक झाँकी

2009-2010

शैक्षिक स्कूल / एकक

शैक्षिक स्कूल	03
अन्य एकक	01

अनुदान

₹ 1700.00 लाख

शैक्षिक पाठ्यक्रम

शैक्षिक पाठ्यक्रम (बी.टेक प्रोग्राम)	03

प्रवेश प्राप्त छात्र

बी.टेक	98
शोध अध्येता	--
योग	98

छात्र संख्या

बी.टेक	98
शोध अध्येता	--
योग	98

संकाय/ स्टॉफ संख्या

कोई नहीं।
नियुक्ति प्रक्रिया फरवरी, 2010 में आरंभ की गई। आई.आई.टी. रुड़की के संकाय सदस्यों ने शिक्षण कार्य किया।

निदेशक का प्रतिवेदन

मार्च 2010 तक की उपलब्धियाँ

प्रस्तावना

उदीयमान आई.आई.टी. मंडी एक मात्र आई.आई.टी. है जो हिमालयी क्षेत्र में अवस्थापित है। इसका 530 एकड़ का मनोहारी परिसर कमांद नामक एक छोटे से गांव में उह्ल नदी के तट पर फैला हुआ है। कमांद गांव हिमाचल प्रदेश के मंडी शहर से 15 किमी की दूरी पर है। शहरों की चहल–पहल से दूर मनोहारी नदी घाटी के शांत क्षेत्र में स्थित आई.आई.टी. मंडी का उद्देश्य ज्ञान संवर्धन तथा नवाचारी तकनीकी शिक्षा के एक अग्रणी केंद्र के रूप में विकसित होते हुए भारत को एक एक न्यायप्रिय, समावेशी एवं धारणीय समाज की दिशा में आगे बढ़ाना है। किसी भी संस्थान की स्थापना के आरंभिक वर्ष अत्यंत महत्वूपर्ण होते हैं और उद्देश्य परक दृष्टि को ध्यान में रखते हुए यह स्पष्ट होता है कि आई.आई.टी. मंडी की विगत वर्ष में अनेकों उपलब्धियां रहीं। इस रिपोर्ट में संक्षेप में यह बताया गया है कि इस तकनीकी संस्थान को पूर्णतः कार्यकारी बनाने हेतु क्या विकास कार्य संपन्न किए गए।

आई.आई.टी. मंडी के स्थायी परिसर का शिलान्यास कमांद में 24 फरवरी 2009 को करने के बाद 18 मार्च 2009 में आई.आई.टी. रुड़की में आई.आई.टी. मंडी प्रकोष्ट की स्थापना हुई जिससे इसके क्रिया कलापों को आगे बढ़ाया जा सके।

अगले 10 वर्षों के विकास का मार्ग–चित्रण करते हुए शैक्षिक प्रोग्राम, परिसर विकास एवं तत्संबंधी मुद्दों को रेखांकित करने वाली एक प्रारंभिक परियोजना रिपोर्ट (PPR) को अंतिम रूप 25 अप्रैल 2009 को दिया गया। आई.आई.टी. मंडी को उत्तराखंड की एक समिति के रूप में 20 जून 2009 को पंजीकृत किया गया।

प्रवेश

आई.आई.टी. मंडी के प्रथम बैच के छात्रों को जुलाई 2009 में प्रवेश दिया गया तथा उनकी कक्षायें 27 जुलाई 2009 से आरंभ हो गई। आई.आई.टी. मंडी के छात्रों के आवास की व्यवस्था, राजेन्द्र भवन छात्रावास (लड़कों) तथा कस्तूरबा भवन छात्रावास (लड़कियों) में की गई।

शैक्षिक अवसंरचना

श्री अशोक ठाकुर, अपर सचिव, भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग के आगमन पर, आई.आई.टी. मंडी संक्रमण परिसर को राजकीय पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज मंडी में विकसित करने की योजना को 13 अगस्त 2009 को अंतिम रूप दिया गया। कमांद परिसर के वन भूमि से सघन वन पट्टियों को निकालने के पश्चात्, संशोधित प्रारंभिक परियोजना रिपोर्ट (PPR) को 15 सितम्बर, 2009 को अंतिम स्वरूप दे दिया गया।

16 नवंबर 2009 को हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा संक्रमण परिसर भवन, आई.आई.टी. मंडी को सौंप दिया गया।

अनन्य रूप से आई.आई.टी. मंडी की भवन एवं कार्य समिति की प्रथम बैठक 14 दिसंबर 2009 को हुई जिसमें मुख्यतः केन्द्रीय भवन निर्माण विभाग (CPWD) द्वारा प्रस्तुत, आई.आई.टी. मंडी संक्रमण परिसर के विकास हेतु प्रारंभिक अनुमानों पर विचार किया गया।

आई.आई.टी. मंडी की वित्त–समिति तथा

नियंत्रक–बोर्ड की प्रथम बैठक 21 दिसंबर 2009 को हुई जिसमें मै. आर.पी. वैद्य, अशोसिएट – स्पेस मैट्रिक्स द्वारा प्रस्तुत वास्तुकला संबंधी आरेखों (संक्रमण परिसर भवनों के नवीयन तथा प्रयोगशाला ब्लॉक एवं छात्र क्रिया कलाप केन्द्र के निर्माण हेतु) के आधार पर केन्द्रीय भवन निर्माण द्वारा तैयार आकलनों को स्वीकार किया गया। नियंत्रक बोर्ड (BOG) ने फैकल्टी के विषय–विशेषज्ञताओं तथा शिक्षणेत्तर स्टॉफ के आरक्षण वर्गों को आई.आई.टी. मंडी के लिए अंतिम रूप से स्वीकृत किया।

अरनेट इंडिया (ERNET India) द्वारा 2 फरवरी 2010 को आई.आई.टी. मंडी की वेब साइट को प्रक्षेभ–नाम iitmandi.ac.in से सक्रिय किया।

आई.आई.टी. मंडी के लिए फैकल्टी एवं फैकल्टी–इतर पदों के लिए प्रथम विज्ञापन टाइम्स ऑफ इंडिया में 03 फरवरी 2010 को विज्ञापित हुआ।

राष्ट्रीय ज्ञान जालक्रम (NKN) पर आई.आई.टी. मंडी में आभासी क्लास रुम की स्थापना हेतु एक सहमति ज्ञापन (MOU) पर आई.आई.टी. मंडी, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र (NIC) तथा राष्ट्रीय सूचना–विज्ञान केन्द्र सेवा इन्कार्पोरेटेड के मध्य हस्ताक्षर किये गये।

आभार

मैं माननीय मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा आई.आई.टी. काउंसिल के अध्यक्ष के प्रति आभार प्रकट करता हूं जिन्होंने आई. आई.टी. मंडी को अपने विकास का अवसर प्रदान किया। यह संस्थान हितैषी संस्थान, आई.आई.टी. रुड़की का, आई.आई.टी. मंडी के विकास हेतु किए गए अभूतपूर्व सहयोग के लिए, आभार प्रकट करता है। संस्थान, आई.आई.टी. रुड़की के निदेशक, सभी डीनगणों, फैकल्टी सदस्यों, स्टॉफ सदस्यों, प्रशासनिक स्टॉफ तथा आई.आई.टी. मंडी प्रकोष्ठ का उनके सतत्, बिना शर्त, नैतिक एवं अवसंरचनात्मक सहयोग के लिए उनका ऋणी है।

दिनांकः 14/02/2011

(प्रो. टिमोथी ए. गॉनसाल्वेस)

निदेशक

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी (संक्रमण परिसर) का शैक्षणिक भवन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी के प्रथम बैच के छात्र
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की में 25 जुलाई 2009 को।

बायें-से दायें : श्री आनन्द शर्मा, प्रो. प्रेम कुमार धूमल एवं श्री नरेन्द्र बरागटा,
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी परिसर के शिलान्यास के अवसर पर
दिनांक फरवरी 24, 2009 को मंडी, कमांद (हि.प्र.) में।

भा.प्रौ.सं. मंडी (कमांद परिसर) की आधारशिला

भा.प्रौ.सं. मंडी के स्थापना दिवस के अवसर पर
भा.प्रौ.सं. मंडी के छात्र फरवरी 24, 2010 को।

भा.प्रो.सं. मंडी के छात्रों द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम
भा.प्रौ.सं. रुड़की प्रवास के दौरान।

भा.प्रौ.सं. मंडी के स्थापना दिवस के अवसर पर
भा.प्रौ.सं. मंडी के छात्रों द्वारा संक्रमण परिसर का भ्रमण

कमांद, मंडी (हिमाचल प्रदेश) में भा.प्रौ.सं. मंडी साइट

1.1 नियंत्रक बोर्ड
1.2 वित्त समिति
1.3 भवन एवं कार्य समिति
1.4 प्रशासन
1.5 शैक्षिक स्कूल तथा अन्य एकक

1.1 नियंत्रक बोर्ड

अध्यक्ष :

पदमश्री एम. नटराजन *(04.03.2010 से)*
अध्यक्ष, नियंत्रक बोर्ड, आई.आई.टी.मंडी,
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी एवं
रक्षा मंत्री के पूर्व वैज्ञानिक सलाहकार तथा सचिव
भारत सरकार एवं महानिदेशक (आर एंड डी),
डीआरडीओ

श्री अशोक भटनागर *(03.03.2010 तक)*
अध्यक्ष, नियंत्रक बोर्ड, आई.आई.टी.आर.
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी

सदस्य :

प्रो. टिमोथी ए. गॉनसाल्वेस *(15.01.2010 से)*
निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी,
मंडी

प्रो. एस.सी. सक्सेना *(14.01.2010 तक)*
निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की
रुड़की

श्रीमती आशा स्वरूप
मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार
(हिमाचल प्रदेश सरकार नामिती)

काउंसिल नामिती :

श्री अमित खरे
संयुक्त सचिव (आई सी सी)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
भारत सरकार

श्री एस.के. गर्ग
अध्यक्ष तथा प्रबन्ध निदेशक एन.एच.पी.सी.
फरीदाबाद (हरियाणा)

श्री प्रदीप गुप्ता
अध्यक्ष,
साइबर मीडिया ग्रुप गुड़गांव (रा.रा. क्षेत्र दिल्ली)

श्री नितिन परांजपे
सी.ई.ओ. तथा प्रबंध निदेशक
हिन्दुस्तान लीवर लिमिटेड, मुम्बई

सीनेट नामिती :

प्रो. आई.एम. मिश्रा *(01.01.2010 से)*
प्रोफेसर,
रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की
रुड़की

प्रो. डी.के. पॉल *(01.01.2010 से)*
डीन, फैकल्टी अफेयर्स
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की
रुड़की

प्रो. ए.के. अवस्थी *(31.12..2009 तक)*
प्रोफेसर,
भू विज्ञान विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की
रुड़की

प्रो. एच.ओ. गुप्ता *(31.12..2009 तक)*
प्रोफेसर,
विद्युत अभियांत्रिकी विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की
रुड़की

विशिष्ठ आमंत्रित (पदेन) :

प्रो. एस.सी. सक्सेना
निदेशक (हितैषी भा.प्रौ.सं.)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की
रुड़की

प्रो. एच.के. वर्मा
उप निदेशक (हितैषी भा.प्रौ.सं.)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की
रुड़की

प्रो. एस.पी. गुप्ता
संयोजक, भा.प्रौ.संस्थान मण्डी प्रकोष्ठ
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की
रुड़की

सचिव :

ले0क0 (सेवानिवृत्त) ए.के. श्रीवास्तव
कुलसचिव (हितैषी भा.प्रौ.सं.)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की,
रूड़की

1.2 वित्त समिति

अध्यक्ष :

श्री अशोक भटनागर
अध्यक्ष, नियंत्रक बोर्ड, भा.प्रौ.सं. मण्डी
मंडी

सदस्य :

प्रो. एस.सी. सक्सेना
निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की
रुड़की

श्री अशोक ठाकुर, आई.ए.एस.
अपर सचिव (उच्च शिक्षा), भारत सरकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
उच्च शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन
नई दिल्ली

श्री एस.के. रे
अपर सचिव तथा वित्तीय सलाहकार,
भारत सरकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
माध्यमिक तथा उच्च शिक्षा विभाग,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली

सदस्य (बोर्ड नामिती) :

प्रो. एस.के. खन्ना
पूर्व अध्यक्ष, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद
जे.पी.इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉरमेशन टेक्नॉलोजी (JIIT), A-10, सेक्टर–62
नोएडा (उत्तर प्रदेश)

प्रो. सुरेन्द्र कुमार
रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की
रूड़की – 247 667

प्रो. एन.एम. भण्डारी
जानपद अभियांत्रिकी विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की
रूड़की – 247 667

सदस्य सचिव :

ले0क0 (सेवानिवृत्त) ए.के. श्रीवास्तव
कुलसचिव
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की,
रूड़की – 247 667

1.3 भवन एवं कार्य समिति

अध्यक्ष :

प्रो. एस.सी. सक्सेना
निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की
रुड़की

सदस्य :

प्रो. एच.के. वर्मा
उपनिदेशक,
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की
रूड़की – 247 667

प्रो. वी.के. गुप्ता
अध्यक्ष, संपदा तथा कार्य
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की,
रूड़की – 247 667

सुश्री सीमा राज
निदेशक (तकनीकी), भारत सरकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
माध्यमिक तथा उच्च शिक्षा विभाग,
शास्त्री भवन
नई दिल्ली

ई. पी.के. जैन
आर–13/83,
राजनगर
गाजियाबाद

ई. एम.एस. चंदोला
उप–महाप्रबंधक
उत्तरांचल पावर कार्पोरेशन लिमिटेड
रुड़की

प्रो. अखिलेश गुप्ता
यांत्रिकी एवं औद्योगिक अभियांत्रिकी विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की,
रूड़की – 247 667

प्रो. एस.पी. गुप्ता
विद्युत अभियांत्रिकी विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की,
रूड़की – 247 667

प्रो. जी.रामास्वामी
जानपद अभियांत्रिकी विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की,
रूड़की – 247 667

ई. सलेक चन्द
संस्थान इंजीनियर
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की,
रूड़की – 247 667

सदस्य सचिव :
ले0क0 (सेवानिवृत्त) ए.के. श्रीवास्तव
कुलसचिव
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की,
रूड़की – 247 667

1.4 प्रशासन (भा.प्रौ.सं.मण्डी प्रकोष्ठ)

समन्वयन समिति :

समन्वयक :
प्रो. एस.पी. गुप्ता
विद्युत अभियांत्रिकी विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की,
रूड़की – 247 667

सदस्य :

प्रो. जी.एस. श्रीवास्तव
गणित विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की
रूड़की – 247 667

प्रो. सुरेन्द्र कुमार
रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की
रूड़की – 247 667

प्रो. आई.एम. मिश्रा
रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की
रूड़की – 247 667

प्रो. एस.पी. श्रीवास्तव
विद्युत अभियांत्रिकी विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की,
रूड़की – 247 667

प्रो. गोपाल चौहान
एमिरीटस फेलो
जल संसाधन विकास विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की,
रूड़की – 247 667

1.5 शैक्षिक स्कूल तथा अन्य एकक

शैक्षिक स्कूल

- इलैक्ट्रोनिक्स एवं कम्प्यूटर अभियांत्रिकी
- मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग
- यांत्रिक एवं औद्योगिक अभियांत्रिकी

अन्य इकाइयाँ

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी प्रकोष्ठ

2.1 नई नियुक्तियाँ
2.2 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ी जाति श्रेणियों के अन्तर्गत नियुक्तियाँ
2.3 शिक्षणेत्तर अधिकारी/स्टाफ की नई नियुक्तियाँ

2.1	नई नियुक्तियाँ	:	–	फरवरी 2010 में भर्ती प्रक्रिया प्रारम्भ।
2.2	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ी जाति श्रेणियों के अन्तर्गत नियुक्तियाँ	:	–	
2.3	शिक्षणेत्तर अधिकारी/स्टाफ की नई नियुक्तियाँ	:	–	

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी ने निम्नलिखित बी.टेक प्रथम वर्ष के लिए छात्रों को प्रवेशित किया:

1. विद्युत अभियांत्रिकी (अंतर्वेश 40)
2. कंप्यूटर साइंस एवं अभियांत्रिकी (अंतर्वेश 40)
3. यांत्रिकी अभियांत्रिकी (अंतर्वेश 40)

जे.ई.ई. के आधार पर छात्रों को प्रवेश दिया गया। छात्रों का पंजीकरण दो चरणों में 22 जुलाई 2009 तथा 27 जुलाई 2009 को किया गया। उनकी नियमित कक्षायें 27 जुलाई 2009 से चलाई जा रही हैं।

प्रवेशित छात्रों की संख्या :

कुल 98 छात्र निम्नलिखित विवरण के अनुसार प्रवेशित लिए गए :

बी.टेक (विद्युत अभियांत्रिकी)	बी.टेक (कंप्यूटर साइंस एवं अभियांत्रिकी)	बी.टेक (यांत्रिकी अभियांत्रिकी)
36	36	26
	कुल	**98**

शैक्षिक स्कूल :

- ❖ इलैक्ट्रॉनिकी तथा कंप्यूटर अभियांत्रिकी विभाग
- ❖ यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग
- ❖ मानविकी तथा सामाजिक विज्ञान विभाग

अन्य एकक :

- ❖ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी प्रकोष्ठ

5.1 तुलन पत्र का सार 5.2 आय एवं व्यय का सार

5.1 31 मार्च, 2010 तक तुलन पत्र का सार

मद	सिड्यूल संख्या	चालू वर्ष	
		धनराशि (₹)	धनराशि (₹)
फंड के स्रोत			
कॉर्पस फंड			
अ. पूंजी निधि	1		170,309,664.00
ब. एन आई सी एस, नई दिल्ली से प्राप्त अनुदान की अव्ययित शेष राशि			1,180,000.00
वर्तमान देयता एवं प्रावधान			
अ. टीडीएस देय		192,628.00	
ब. छात्र प्रतिभूति जमा		424,000.00	616,628.00
कुल ₹			**172,106,292.00**
फंड का प्रयोग			
जमा परिसम्पत्ति	2		14,120,213.00
चालू परिसम्पत्ति, ऋण एवं अग्रिम			
अ. नकद तथा बैंक शेष			
अ. बैंक में नकद		134,714,211.00	
ब. हाथ में चैक		2,830,750.00	137,544,961.00
ब. नकद या वस्तु के रूप में वसूली योग्य अग्रिम			
विविध अग्रिम	3		20,441,118.00
कुल ₹			**172,106,292.00**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ तथा लेखा नोट	4		

5.2 आय एवं व्यय का सार

मद		सिड्यूल संख्या	चालू वर्ष	
			धनराशि (₹)	धनराशि (₹)
अ. आय				
(1)	मानव संसाधन विकास मंत्रालय से प्राप्त अनुदान	1	170,000,000.00	—
	घटायाः योजना अनुदान को स्थानान्तरित कर पूंजी निधि में शामिल किया।		170,000,000.00	—
(2)	अन्य प्राप्त अनुदान	2	1,180,000.00	—
	घटायाः एन आई सी एस, नई दिल्ली से प्राप्त अनुदान की अव्ययित शेष राशि को तुलन पत्र में स्थानान्तरित किया।		1,180,000.00	—
(3)	अकादमिक / शैक्षिक प्राप्ति	3		5,554,893.00
(4)	ब्याज आय			585,789.00
	कुल (अ) (₹)			**6,140,682.00**
ब. व्यय				
(1)	अनुभाग व्यय	4		1,360,271.00
(2)	प्रशासनिक एवं अन्य विविध व्यय	5		4,470,747.00
	कुल (ब) (₹)			**5,831,018.00**
आय के व्यय पर अधिक्य होने पर शेष (अ–ब)				**309,664.00**
अधिशेष/घाटा को शेष पूंजी निधि खाते में ले जाया गया।				**309,664.00**

6. छात्र सुविधायें तथा क्रिया कलाप

छात्रावास :

शैक्षिक सत्र 2009–10 के लिए छात्रों को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की के राजेन्द्र भवन तथा कस्तूरबा भवन में रखा गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम :

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की में अपने प्रवास की अवधि में छात्रों ने 2010 में अपना प्रथम सांस्कृतिक समारोह आयोजित किया।
- छात्रों ने अनेकों सांस्कृतिक एवं खेलकूद कार्यक्रमों में भाग लिया तथा पुरस्कार प्राप्त किए।
- छात्रों ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी की वेबसाइट के अभिकल्पन के लिए कार्य किया तथा वेब–विकास टीम का गठन किया।

A_1 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी के परीक्षा परिणामों का विवरण (2009–10)

98 प्रवेशित छात्रों को तीसरे सेमेस्टर में प्रोन्नत किया गया जो अगस्त 2010 से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी के संक्रमण परिसर मंडी में आरंभ हुआ।

A_2 छात्रवृत्ति तथा छात्रों को वित्तीय अनुदान

बी.टैक. के प्रत्येक विभाग में छात्रों की स्वीकृत संख्या के 25 प्रतिशत छात्रों को शिक्षण–शुल्क (ट्यूशन फीस) के अतिरिक्त ₹1000.00 प्रतिमाह की दर से संस्थान की योग्यता सह साधन (मैरिट कम मीन्स) छात्रवृत्ति स्वीकृत की गई है। इस छात्रवृत्ति का दिया जाना इस शर्त पर आधारित है कि सी.जी.पी.ए. 6.0 या उससे अधिक होना चाहिये, तथा अर्जित क्रेडिट्स इसके लिये पंजीकृत सत्रों की संख्या के 22 गुने से कम नहीं होना चाहिये, साथ ही पूर्व सत्रों में एस.जी.पी.ए. 6.0 या उससे अधिक हो व माता–पिता/संरक्षकों की कुल वार्षिक आय सभी स्रोतों से मिलाकर दो लाख रुपये या उससे कम होनी चाहिये। शैक्षणिक सत्र 2009–2010 के लिये ऐसे छात्रों का विवरण निम्न है।

क्रम संख्या	छात्रों के नाम
यांत्रिकी (प्रथम वर्ष)	
1.	मुटुकुलोजु भानु प्रकाश
2.	प्रियांक बी.पटेल
3.	पी सामंत कुमार रेड्डी
4.	थोराट विजय गणेश
विद्युत (प्रथम वर्ष)	
1.	सुनंदा यादव
2.	अर्पित जैन
3.	दामा श्रीकांत
4.	कुलकर्णी अक्षय जयंत
5.	कुमोद कुमार गुप्ता
सी.एस.ई. (प्रथम वर्ष)	
1.	अभिमन्यु कुमार
2.	बासवा राजु कनापार्थी
3.	दिव्या
4.	करमपुडी रामाकृष्णा रेड्डी
5.	निखिल कुमार गुप्ता
6.	गावले सम्राट बालासाहेब
7.	अमित कुमार स्वामी

दृष्टि

तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बने रहना,
ज्ञान संवर्धन तथा नवाचरण करते हुए भारत देश
को एक ऐसी दिशा प्रदान करना
जिसमें न्यायप्रिय, सर्वहारा एवं धारणीय समाज का समावेश हो।

मिशन (संकल्प)

सामाजिक हित के लिए सामूहिक एवं व्यक्तिगत प्रयास द्वारा
ज्ञान संवर्धन एवं संप्रेषण करना।

ऐसे संव्यावसायिकों को तैयार करना जो ज्ञान का संकल्पन एवं
संवर्धन करके अपने व्यक्तिगत एवं सामूहिक प्रयासों द्वारा ऐसे
उत्पादों एवं प्रक्रमों के विकास में सक्षम हों जो विशेषत: हमारे देश
तथा प्रधानत: मानवता के लिए हितकारी हों।

ऐसी योग्यता का निर्माण करना जो समाज तथा उद्योगों की
समस्याओं का विश्लेषण कर सके तथा वैश्विक स्वीकृति प्राप्त
नवाचारी दृष्टिकोण एवं निदान प्रस्तुत करने में समर्थ हो।

उद्यमिता की भावना का संचार करना।

ऐसे शिक्षकों को प्रशिक्षण देना जो इंजीनियरों एवं शोधार्थियों की
भावी पीढ़ी को प्रेरणा प्रदान कर सकें।

उपर्युक्त लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु उद्योगों से गहन संबंध स्थापित कर
पारस्परिक हित के लिए कार्य करना।

एक ऐसी दक्ष एवं विकेन्द्रीकृत संस्था बनना जिसमें योग्यता एवं
मेधा को सर्वोपरि सम्मान प्राप्त हो।